

BGYET-147

सत्रीय कार्य पुस्तिका

विज्ञान स्नातक उपाधि कार्यक्रम  
(बी.एस.सी.जी.)

भूआकृति विज्ञान और भूविवर्तनिकी

1 जनवरी 2026 से 31 दिसंबर 2026 तक वैध

सत्रांत परीक्षा के लिए फार्म भरने से पहले सत्रीय कार्य जमा करना अनिवार्य है।



विज्ञान विद्यापीठ  
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय  
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110 068

(2026)

प्रिय विद्यार्थी,

कृपया सत्रीय कार्य से संबंधित अनुभाग स्नातक उपाधि कार्यक्रम की कार्यक्रम दर्शिका में पढ़ें, जो हमने नामांकन के बाद आपको भेजा है। उसमें सत्रीय कार्य से संबंधित जो भाग है, उसे कृपया पढ़ लें। जैसा कि आप जानते हैं सतत मूल्यांकन के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित किये गये हैं। इसके लिए आपको इस पाठ्यक्रम का एक सत्रीय कार्य हल करना होगा। यह सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल है और इसमें दो भाग हैं, **Part A** और **Part B**। दोनों भागों के कुल अंक 100 हैं, जिनमें से उत्तीर्ण करने के लिए आपको 35 प्रतिशत अंक की आवश्यकता है।

### सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देश

इससे पहले कि आप किसी प्रश्न का उत्तर लिखें, निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

1. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर निम्नलिखित प्रारूप के आधार पर विवरण लिखें।

नामांकन संख्या : .....

नाम : .....

पता : .....

पाठ्यक्रम संख्या : .....

पाठ्यक्रम शीर्षक : .....

सत्रीय कार्य संख्या : .....

अध्ययन केंद्र : .....

दिनांक : .....

कार्य के सही और शीघ्र मूल्यांकन के लिए दिये गये प्रारूप का सही अनुसरण करें।

- अपना उत्तर लिखने के लिए फुलस्कैप कागज़ का इस्तेमाल करें, जो ज़्यादा पतला न हो।
- प्रत्येक कागज़ पर बायें, ऊपर और नीचे 4 से. मी. की जगह छोड़ें।
- आपके उत्तर स्पष्ट, सटीक और अपने शब्दों में होने चाहिए।
- इस सत्रीय कार्य के **Part A** और **Part B** को हल करें, और **Part A** और **Part B** सहित संपूर्ण सत्रीय कार्य को वैध तिथि के भीतर अपने अध्ययन केंद्र में जमा कर दें।
- सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिका नियत तिथि के भीतर आपने अध्ययन केंद्र पर जमा करें। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त उत्तर पुस्तिकाओं को स्वीकार नहीं किया जाएगा।
- हमारा सुझाव है कि आप अपने सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखें।
- यह सत्रीय कार्य **1 जनवरी 2026 से लेकर 31 दिसंबर 2026 तक वैध हैं**। यदि आप इस सत्रीय कार्य को दिसंबर 2026 तक जमा करने में विफल रहते हैं तब आपको वर्ष 2027 का सत्रीय कार्य करना होगा और कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों के अनुसार इसे जमा करना होगा।
- सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	जमा करने का स्थान
जनवरी 2026	31 मार्च 2026	अध्ययन केन्द्र
जुलाई 2026	30 सितम्बर 2026	अध्ययन केन्द्र

कृपया ध्यान दें कि विश्वविद्यालय द्वारा जमा करने की अंतिम तिथि में परिवर्तन किया जा सकता है। सत्रीय कार्य जमा करने की नियत तिथि के संबंध में अद्यतन जानकारी के लिए कृपया [IGNOU](http://www.ignou.ac.in) वेबसाइट देखें।

- आपको अपने द्वारा जमा किए गए सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी अपने पास रखने की सलाह दी जाती है।
- यदि आप इस सत्रीय कार्य को जमा नहीं करेंगे तो आप इस पाठ्यक्रम का सत्रांत परीक्षा फार्म जमा नहीं कर सकेंगे। पूछताछ के लिए कृपया संपर्क करें : [omkarverma@ignou.ac.in](mailto:omkarverma@ignou.ac.in), [bdeshmukh@ignou.ac.in](mailto:bdeshmukh@ignou.ac.in)।

हमारी शुभकामनाएं आपके साथ हैं।

**सत्रीय कार्य**  
**भूआकृति विज्ञान और भूविवर्तनिकी**

पाठ्यक्रम कोड : **BGYET-147**  
सत्रीय कार्य कोड : **BGYET-147/TMA/2026**  
कुल अंक : **100**

नोट : सभी प्रश्न हल करें। प्रत्येक प्रश्न के आगे उसके अंक दर्शाए गए हैं। सभी उत्तर अपने शब्दों में लिखें; पाठ्यक्रम सामग्री से कॉपी / नकल न करें।

**Part A**

1. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखें :
  - a) भूआकृतिविज्ञान और इसका अनुप्रयोग (5)
  - b) भारतीय प्रायद्वीप का भूआकृतिविज्ञान (5)
2. गिरि ढाल/पहाड़ी ढलान को परिभाषित करें और स्पष्ट रूप से अंकित आरेखों की सहायता से इसके विभिन्न तत्वों की चर्चा कीजिए। (10)
3. उपयुक्त चित्रों की सहायता से अपरदनीय और निक्षेपणात्मक संबंधी नदीय विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (10)
4. तटीय निक्षेपण प्रक्रियाओं और उसके परिणामस्वरूप बनने वाली प्रमुख भूआकृतियों की चर्चा कीजिए। (10)
5. वातोड़ निक्षेपणात्मक भूआकृतियों के विभिन्न प्रकारों और उनके निर्माण का वर्णन कीजिए। (10)

**Part B**

6. महाद्वीपीय विस्थापन की वेगनर परिकल्पना की विस्तार से चर्चा कीजिए। (10)
7. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखें :
  - a) समुद्री चुम्बकीय विसंगतियां (5)
  - b) समुद्र-अधस्तल विस्तारण की क्रियाविधियां (5)
8. प्रवार पिच्छ क्या है? ज्वालामुखी विस्फोटों, प्लेटों के संचलन और भूकंपों में इसकी भूमिका का वर्णन कीजिए। (10)
9. अभिसारी प्लेट सीमाओं पर संचालित होने वाली प्रक्रियाओं की चर्चा कीजिए। (10)
10. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखें :
  - a) हिमालय का विकास (5)
  - b) भारत के आर्कियन क्रेटॉन (5)